

## विषय सूची

	पृष्ठ सङ्ख्या
पहिलो अध्याय	१ - ८
१.०	आमुख
१.१	शोध परिचय
१.२	शोध प्रबन्धको शीर्षक
१.३	शोध समस्या कथन
१.४	शोधकार्यको उद्देश्य
१.५	शोधकार्यको औचित्य
१.६	शोधकार्यको सीमाङ्कन
१.७	शोधविधि
१.७.१	सामग्री सङ्कलन विधि
१.७.२	सामग्री विश्लेषण विधि
१.८	पूर्वकार्यको सर्वेक्षण
दोस्रो अध्याय	९ - ७२
२.०	भारतीय जनजातीय भाषाहरू
२.१	भारतका जनजातीय भाषाहरूका रूप र प्रकार्यहरू

- २.१.१ साना भाषाहरूको प्रस्थानविन्दु
- २.१.२ आठौँ अनुसूचीद्वारा सृजित श्रेणीवद्ध आदेश
- २.१.३ प्रमुख गैरअनुसूचित भाषाहरूका स्तर र तिनका भाषिकाहरू
- २.१.४ भाषिक निष्ठा, भाषा परिवर्तन र अङ्गीकरण
- २.१.५ ग्रामीण र शहरी क्षेत्रको विभाजन
- २.१.६ द्वैभाषिकताको स्वरूप र परिणाम
- २.१.७ विविध मातृभाषामा भाषिक सम्पर्कको परिणाम
- २.१.८ मातृभाषाको स्तर र पहिचानको प्रश्न
- २.२ चिनियाँ-तिब्बती भाषापरिवार
- २.३ भोट-बर्मेली परिवार
- २.४ जलपाइगढी जिल्लाको भाषिक विवरण :
- २.५ जलपाइगढीको भौगोलिक स्थिति :
- २.६ राजनैतिक इतिहास :
- २.७ टोटो जातिको संस्कार-संस्कृति :
- २.८ टोटो जातिको सामाजिक संस्कार :
- २.८.१ जन्म संस्कार पद्धति :
- २.८.२ विवाह संस्कार पद्धति :
- २.८.३ मृत्यु संस्कार :
- २.९ टोटोहरूको जनसङ्ख्या :

## तेस्रो अध्याय

७३ - ११२

- ३.० टोटो भाषाको ध्वनि परिचय :

- ३.१ टोटोभाषाको ध्वनि परिचय र वर्गीकरण :
- ३.२ ध्वनि अवयव :
- ३.२.१ फोक्सो :
- ३.२.२ स्वरयन्त्र :
- ३.२.२.१ स्वरतन्त्री :
- ३.२.२.१.१ खुल्ला अवस्था :
- ३.२.२.१.२ साँघुरो अवस्था :
- ३.२.२.१.३ नजिक अवस्था :
- ३.२.२.१.४ आधा खुला आधा बन्द :
- ३.२.२.१.५ कर्करे घोष :
- ३.२.२.१.६ स्वरयन्त्रमुखी स्पर्श ध्वनि :
- ३.२.३ घोक्रो :
- ३.२.४ मुखविवर :
- ३.२.५ ओठ :
- ३.२.६ दाँत :
- ३.२.७ वर्त्सि :
- ३.२.८ तालु :
- ३.२.८.१ कोमलतालु :
- ३.२.९ अलिजिहा / कौआ :
- ३.२.१० जिभ्रो :
- ३.२.१०.१ जिहाग्र :
- ३.२.१०.२ जिहाफलक :

- ३.२.१०.३ जिह्वामध्य :
- ३.२.१०.४ जिह्वापञ्च :
- ३.२.१०.५ जिह्वामूल :
- ३.२.११ नासिकविवर :
- ३.३ श्वासप्रवाह :
- ३.३.१ फोक्से श्वासप्रवाह :
- ३.३.२ स्वरयन्त्रमुखी श्वासप्रवाह :
- ३.३.३ हनुमूलीय श्वासप्रवाह :
- ३.४ खण्डीय र खण्डेतर ध्वनि :
- ३.५ स्वर :
- ३.५.१ टोटो भाषामा स्वर र व्यञ्जन :
- ३.५.२ स्वरहरूको वर्गीकरण :
- ३.५.२.१ जिभ्रोको स्थिति :
- ३.५.२.२ जिभ्रोको पञ्चता :
- ३.५.२.३ ओठको स्थिति :
- ३.५.२.४ जिभ्रोको स्थिति र ओठको अवस्थाको आधारमा टोटो भाषाका स्वर ध्वनिहरू :
- ३.५.२.५ स्वरहरूको वितरण :
- ३.६ व्यञ्जन ध्वनि :
- ३.६.१ ओठ :
- ३.६.२ दन्त्योष्ठ्य :
- ३.६.३ दन्त्य :

- ३.६.४ वत्स्यः  
३.६.५ मूर्धन्यः  
३.६.६ तालव्यः  
३.६.७ हनुमूलीयः  
३.६.८ काकल्यः  
३.६.९ घोत्रेः  
३.६.१० स्वरयन्त्रमुखीः  
३.७ प्रयत्नका आधारमा टोटो व्यञ्जन ध्वनिः  
३.७.१ स्पर्शीः  
३.७.२ सङ्घर्षीः  
३.७.३ स्पर्शसङ्घर्षीः  
३.७.४ नासिक्यः  
३.७.५ ताडितः  
३.७.६ अन्तःस्थः  
३.७.७ पार्श्विक अन्तःस्थः  
३.८ प्राणत्वका आधारमा टोटो व्यञ्जन ध्वनिः  
३.८.१ अल्पप्राणः  
३.८.२ महाप्राणः  
३.९ घोषत्वका आधारमा टोटो व्यञ्जन ध्वनिः  
३.९.१ घोष ध्वनिः  
३.९.२ अघोष ध्वनिः  
३.९.० टोटो भाषाको व्यञ्जन ध्वनिः

- ३.११ खण्डेतर ध्वनि :
- ३.११.१ मात्रा :
- ३.११.२ श्वसन :
- ३.११.३ महाप्राण :
- ३.११.४ अनुनासिकता :
- ३.११.५ बलाघात :
- ३.११.५ सुर :
- ३.१२ टोटो भाषाको वर्ण व्यवस्था :
- ३.१२.१ व्यतिरेक :
- ३.१२.२ व्यवस्था :
- ३.१२.३ परिवेश :
- ३.१२.४ लघुतम युग्मः
- ३.१२.५ अर्थगत विशिष्टता :
- ३.१३ टोटो भाषाको अक्षर संरचना :

## चौथो अध्याय

११३ -१४२

- ४.० टोटो भाषाको रूपतात्त्विक परिचय :
- ४.१ टोटो भाषाको रूपतात्त्विक विश्लेषण :
- ४.१.१ संरूप :
- ४.२ नाम :
- ४.२.१ एकरूपिमिक अथवा सरल नाम :
- ४.२.२ बहुरूपिमिक संयुक्त नाम/ व्युत्पादित नाम :

- ४.२.३ नामका प्रकार :
- ४.२.३.१ व्यक्तिवाचक नाम :
- ४.२.३.२ जातिवाचक नाम :
- ४.२.३.३ द्रव्यवाचक नाम :
- ४.२.३.४ भाववाचक नाम :
- ४.२.४ कोटिकारका आधारमा नामका प्रकार :
- ४.३ लिङ्गका आधारमा नामको रूपायन :
- ४.४ वचनका आधारमा नामको रूपायन :
- ४.५ कारकका आधारमा नामको रूपायन :
- ४.५.१ कर्ता कारक :
- ४.५.२ कर्म कारक
- ४.५.३ करण कारक :
- ४.५.४ सम्प्रदान :
- ४.५.५ अपादान :
- ४.५.६ सम्बन्ध कारक :
- ४.६ आदरका आधारमा नामको रूपायन :
- ४.७ सर्वनाम :
- ४.७.१ पुरुषवाचक :
- ४.७.२ सम्बन्धवाचक :
- ४.७.३ दर्शकवाचक :
- ४.७.४ अनिश्चयवाचक :
- ४.७.५ प्रश्नवाचक :

- ४.७.६ कारकका आधारमा सर्वनामको रूपायन :
- ४.८ विशेषण :
- ४.८.१ सामान्य विशेषण :
- ४.८.१.१ गुणवाचक विशेषण :
- ४.८.१.२ सार्वनामिक विशेषण :
- ४.८.१.३ परिमाणबोधक विशेषण :
- ४.९ सङ्ख्यावाचक शब्द :
- ४.९.१ संयुक्त सङ्ख्यावाचक शब्द :
- ४.१० क्रिया :
- ४.१०.१ क्रियापदको परिचय :
- ४.१०.२ कर्मका आधारमा क्रियापदका प्रकार :
- ४.१०.२.१ अकर्मक क्रिया :
- ४.१०.२.२ सकर्मक क्रिया :
- ४.१०.३ संरचनाका आधारमा क्रियाका भेद :
- ४.१०.३.१ सरल क्रिया :
- ४.१०.३.२ संयुक्त क्रिया :
- ४.१०.३.३ मिलित क्रिया :
- ४.१०.४ वाक्य टुङ्ग्याउने आधारमा क्रियाको भेद :
- ४.१०.४.१ समापिका क्रिया :
- ४.१०.४.२ असमापिका क्रिया :
- ४.११ शब्द निर्माण पद्धति
- ४.११.१ सर्ग पद्धति:

- ४.११.१.१ उंपसर्ग पद्धतिः
- ४.११.१.२ मध्यसर्ग पद्धतिः
- ४.११.१.३ परसर्ग पद्धतिः
- ४.११.१.४ प्रतिशब्द पद्धतिः

## पाँचौ अध्याय

१४३ - १६९

- ५.० टोटो भाषाको वाक्य व्यवस्था :
- ५.१ टोटो भाषाको वाक्य गठन :
- ५.२ रूप :
- ५.३ पद :
- ५.३.१ पदको गौण वर्गीकरण :
- ५.३.१.१ टोटो भाषामा काल व्यवस्था :
- ५.३.१.१.१ अभूत :
- ५.३.१.१.२ भूत :
- ५.३.२ पक्ष :
- ५.३.२.१ सामान्य पक्ष :
- ५.३.२.२ अपूर्ण पक्ष :
- ५.३.२.३ पूर्ण पक्ष :
- ५.३.३ भाव :
- ५.३.३.१ सामान्यार्थक भाव :
- ५.३.३.२ प्रश्नार्थक भाव :
- ५.३.३.३ आज्ञार्थक भाव :

- ५.३.३.४ इच्छार्थक भाव :
- ५.३.३.५ सम्भावनार्थक भाव :
- ५.३.३.६ सङ्केतार्थक भाव :
- ५.३.४ ध्रुवीयता :
- ५.३.५ प्रेरणार्थक :
- ५.४ पदावली :
- ५.४.१ शीर्ष :
- ५.४.२ विशेषक :
- ५.४.३ पूरक :
- ५.५ उपवाक्य :
- ५.५.१ नाम उपवाक्य :
- ५.५.१.१ गुणबोधक रूपमा अगाडि रहेर अनिवार्य नाम पछाडि रहेको उपवाक्य
- ५.५.१.२ कारक रूपको नाम उपवाक्य :
- ५.५.२ क्रिया उपवाक्य :
- ५.५.२.१ सामान्य क्रिया उपवाक्य :
- ५.५.२.२ संयुक्त क्रिया उपवाक्य :
- ५.६ संघटक तत्त्व :
- ५.६.१ निकटतम र अन्तिम संघटक :
- ५.७ टोटो भाषाको आधारभूत वाक्य :
- ५.८ वाक्यका प्रकार :
- ५.८.१ संरचनाका आधारमा वाक्य :
- ५.८.१.१ सरल वाक्य :

- ५.८.१.२ संयुक्त वाक्य :  
५.८.१.३ मिश्र वाक्य :  
५.८.१.४ मिलित वाक्य :  
५.८.२ विस्मयादिबोधक वाक्य :  
५.९ निपात :  
५.९.१ टोटो भाषामा निपात :

### छैटौं अध्याय

१७० - १७४

- ६.० उपसंहार  
सन्दर्भ ग्रन्थ  
परिशिष्ट